'आरवीटी-5' और 'आरवीटी-6' रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व की नई उम्मीद बनीं

डेढ़ साल पहले बाघिन 'आरवीटी-2' की मौत के बाद बाघिन की दोनों बेटियां 'आरवीटी-5' और 'आरवीटी-6' बूंदी की नई उम्मीद के रूप में उभरी है

बूंदी, (निसं)। बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में डेढ़ साल पहले हुई बाघिन 'आरवीटी-2' की दुखद मौत के बाद अच्छी खबर है कि बाघिन की दोनों बेटियां 'आरवीटी-5' और 'आरवीटी-6' बूंदी की नई उम्मीद के रूप में उभरी है। दोनों मादा शावक तीन साल की युवा बाघिनें हो चुकी हैं जो रामगढ़ महल के आसपास मेज नदी को अपनी टेरेटरी बना चुकी है। युवा होती दोनों बाघिनें एनक्लोजर में कैद युवा बाघ 'आरवीटी-7' के नजदीक है तथा कई बार जालियों के इर्द-गिर्द मंडराती रहती है। इसी इलाके में मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से लाई गई बाघिन 'आरवीटी-9' का भी मूवमेंट है, जिससे इस इलाके में बाघ की कमी खलने लगी है। इसके साथ ही बूंदी के जंगल में ही जन्मा बाघिन आरवीटी-3 का शावक भी करीब 15 माह का हो चुका है जो रामगढ़ का नया युवराज बनकर उभर रहा है। फिलहाल यह बाघ शावक अपनी मां 'आरवीटी-3' के साथ बूंदी शहर के नजदीक गुमान बावड़ी व भैरूपुरा वैली में शिकार के गुर सीख रहा है जो जल्दी ही अपनी अलग टेरेटरी बनाएगा। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से लाई गई युवा बाघिन आरवीटी-8 बूंदी शहर से कालदां तक के जंगलों में अपनी टेरेटरी बना चुकी है, जिसे भी बाघ की तलाश है। एक युवा बाघ शॉफ्ट एनक्लोजर में बंद है जिसे भी खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी है।

- **युवा होती दोनों बाघिनें एनक्लोजर में कैद युवा बाघ 'आरवीटी-7' के नजदीक है तथा कई बार जालियों के इर्द-गिर्द मंडराती रहती है**
- **इसी इलाके में मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से लाई गई बाघिन 'आरवीटी-9' का भी मूवमेंट है, जिससे इलाके में बाघ की कमी खलने लगी है**

बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में डेढ़ साल पहले बाघिन आरवीटी-2 की मौत हो गई थी। (फाइल फोटो)

उम्रदराज होने लगा रामगढ़ का राजा:- रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व में रणथंभौर से खुद चलकर आया बाघ 'आरवीटी-1' अब 10 साल से अधिक का हो गया है और बाघिनों की संख्या बढ़ने व ब्लड ग्रुप परिवर्तन के लिए एक अन्य युवा बाघ की आवश्यकता है। टाइगर रिजर्व में वर्तमान में 5 बाघिन व 3 बाघ मौजूद है, लेकिन एक बाघ अभी अवयस्क व एक एनक्लोजर में बंद है। गौरतलब है कि युवा बाघिनें आरवीटी-5 व आरवीटी-6 इसी बाघ की बेटियां है। इस बाघ ने सरिस्का टाइगर रिजर्व से लाए गए बाघ 'आरवीटी -4' को इलाके की जंग में मौत के घाट उतार दिया था।

बीकानेर एसपी ऑफिस के बाहर खुद को आग लगाने वाले युवक की जयपुर में मौत

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी, 80 प्रतिशत झुलस गया था

बीकानेर, (निसं)। एसपी ऑफिस के सामने 13 मार्च को खुद को आग लगाने वाले युवक की शनिवार सुबह मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बीकानेर में एसपी ऑफिस के सामने पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगाने वाले पूर्व वार्ड पंच रामलाल (35) की उपचार के दौरान मौत हो गई। उनका इलाज जयपुर के सवाई मान सिंह हॉस्पिटल में चल रहा था। रामलाल सोशल मीडिया पर खुद को भाजपा नेता बताते थे। हालांकि भाजपा के देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया का कहना है कि रामलाल पार्टी से जुड़े हुए नहीं थे।

- **मृतक रामलाल ने एक युवती पर परेशान करने का आरोप लगाया था, इसकी थाने में शिकायत भी दी थी**
- **रामलाल ने सोशल मीडिया पर खुद को भागू गांव का वार्ड पंच और भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बताया था**

बीकानेर कोतवाली थाने के एएसआई तनेराव सिंह के अनुसार, खाजूवाला क्षेत्र के 4 बीजीएम भागू गांव के रहने वाले रामलाल 13 मार्च की दोपहर एसपी कार्यालय आए थे। उस समय एसपी कावेंद्र सिंह सागर अपने ऑफिस में थे। करीब तीन बजे अचानक एसपी ऑफिस से रामलाल चिल्लाते हुए बाहर निकले और खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। लपटों के बीच घिरे रामलाल को देख पुलिसकर्मी तुरंत दौड़े और आग बुझाकर उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। 13 मार्च को गंभीर हालत में पूर्व वार्ड पंच रामलाल को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती किया गया था। यहां से जयपुर रेफर कर दिया गया था।

खाजूवाला सीओ अमरजीत सिंह चावला के अनुसार, रामलाल करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गए थे। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जयपुर रेफर किया गया था। इलाज के दौरान शनिवार सुबह करीब छह बजे जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में उनकी मौत हो गई। यह सूचना रामलाल के परिवार वालों ने सुबह करीब सात बजे पुलिस को दी।

पुलिस के अनुसार, रामलाल ने एक युवती पर परेशान करने का आरोप लगाया था। इस सिलसिले में उन्होंने थाने में शिकायत भी दी थी। बीकानेर एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि बाद में रामलाल ने लिखित में अपनी शिकायत वापस ले ली थी। फोटो एसपी ऑफिस की है। पूर्व वार्ड पंच ने यहीं पर आत्मदाह का प्रयास किया था। उनकी जेब में रखे सभी डॉक्यूमेंट और मोबाइल तक जल गए थे। रामलाल ने 14 जुलाई 2020 को फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा था कि उसे हत्या की धमकी मिली है। उन्होंने कई लोगों को टैग भी किया था, लेकिन यह नहीं बताया था कि धमकी किसने दी।

रामलाल ने सोशल मीडिया पर खुद को भागू गांव का वार्ड पंच और भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बताया था। इसके अलावा उन्होंने खुद को भाजपा खाजूवाला मंडल का वरिष्ठ उपाध्यक्ष और किसान मोर्चा भाजपा का पूर्व महामंत्री भी लिखा था।

भाजपा के देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया का कहना है कि रामलाल को पिछले कई वर्षों से मैंने न तो अपने कार्यकाल में और न ही उससे पहले के कार्यकाल में कभी सक्रिय रूप से पार्टी में काम करते हुए देखा है। पहले वह वार्ड पंच रह चुके थे।

कीटनाशक छिड़काव से किसान की मौत : जोधपुर शहर के निकट माणकलाव क्षेत्र में एक कृषक की खेती का काम करते समय अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उसे बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। उसके चचेरे भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

करवड़ पुलिस ने बताया कि बादूराम की ढाणी बड़ाबाग जैसलमेर निवासी मनोहर (24) यहां जोधपुर के माणकलाव क्षेत्र में रहता था। यहां खेतीबाड़ी करता था। वह खेत पर कार्य कर रहा था, तब कीटनाशक से बेहोश हो गया और तबीयत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल में भी कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। उसके चचेरे भाई कालीबेरी सूरसागर निवासी कबीर पुत्र मोहन ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

वायरल वीडियो का असर, चिड़ावा में डिस्कॉम एईएन निधि मिश्रा एपीओ

मेरा ट्रांसफर करवा दो बोलने वाली एईएन को एसई कार्यालय भेजा

चिड़ावा, (निसं)। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद अब बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई हो गई है। चिड़ावा में डिस्कॉम की एईएन निधि मिश्रा को एपीओ कर दिया गया है। खास बात यह है कि जिस वीडियो में वे तैश में यह कहते हुए नजर आई थी कि जो करना है कर लो, जाओ मेरा ट्रांसफर करवा दो...। अब संभवतया इसी मामले में उन्हें एपीओ कर मुख्यालय भेज दिया गया है।

मामला झुंझुनूं जिले के चिड़ावा कस्बे के खेतड़ी रोड स्थित पावर हाउस का है। यहां बिजली समस्याओं को लेकर अजमेर डिस्कॉम की एईएन निधि मिश्रा और भाजपा के पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा के बीच तीखी नोकझोंक हो गई थी। इस बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में पूर्व पार्षद एईएन पर जनसमस्याओं का समाधान नहीं करने के आरोप लगाते दिखाई दे रहे थे। वहीं बहस के दौरान एईएन निधि मिश्रा भी तैश में आ गई और उन्होंने कहा कि अगर मैं ना तो कोई रिप्लाई दूंगी, ना कुछ करूंगी, जाओ मेरा ट्रांसफर करवा दो।

पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा वार्ड 11, 14 और 32 में क्षतिग्रस्त बिजली पोल, नीचे लटकती बिजली लाइनों और भगीणिया जोहड़ तथा बावलिया बाबा स्मृति पार्क से गुजर रही 33 केवी लाइन को शिफ्ट करने की मांग को लेकर पावर हाउस पहुंचे थे। बताया गया कि इस संबंध में करीब तीन महीने पहले भी प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर वे पावर हाउस पहुंचे और इसी दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। माना जा रहा है कि मामले का वीडियो वायरल होने और मीडिया में प्रमुखता से उठने के बाद डिस्कॉम प्रशासन ने संज्ञान लिया। इसके बाद एईएन निधि मिश्रा को एपीओ कर दिया गया है और उन्हें झुंझुनूं के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में लगाया गया है। डिस्कॉम की सचिव सीमा शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। खास बात यह भी रही कि शनिवार को अवकाश होने के बावजूद सुबह ही एपीओ का आदेश निकाल दिया गया। माना जा रहा है कि सोशल मीडिया पर सामने आए इस विवाद का असर सीधे प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। हालांकि आदेशों में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है। पर इसे इसी वीडियो से जोड़कर देखा जा रहा है।

बालोतरा कपड़ा फैक्टरी में तीन मजदूरों की मौत के मामले में लापरवाही सामने आई

बालोतरा, (निसं)। औद्योगिक शहर बालोतरा में एक भीषण हादसा हो गया। रीको फेज स्थित एक निजी टेक्सटाइल इकाई (लालजी वाला मिल्स) में स्लज टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव ने तीन मजदूरों की जान ले ली। इस घटना ने एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा मानकों की पोल खोलकर रख दी है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर में फैक्टरी में केमिकल कचरे (स्लज) के टैंक की सफाई का काम चल रहा था। सफाई के लिए टैंक में उतरे तीन मजदूर वहां मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आ गए। गैस इतनी घातक थी कि तीनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे टैंक के भीतर ही बेहोश होकर गिर पड़े। अन्य श्रमिकों द्वारा शोर मचाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकालकर तुरंत नाहटा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में गुमनाराम (30),श्रवण लाल (25), विशंभर दास (54) की मौत हो गई।

- **प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मजदूरों को बिना किसी सेफ्टी किट या ऑक्सीजन मास्क के टैंक के अंदर उतारा गया था**
- **रीको फेज स्थित एक निजी टेक्सटाइल इकाई (लालजी वाला मिल्स) में स्लज टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव ने तीन मजदूरों की जान ले ली थी**

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे एसडीएम अशोक कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मजदूरों को बिना किसी सेफ्टी किट या ऑक्सीजन मास्क के टैंक के अंदर उतारा गया था। नियमानुसार, ऐसे गहरे और केमिकल युक्त टैंकों की सफाई के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों का होना अनिवार्य है, जिसकी फैक्टरी प्रबंधन ने अनदेखी की। बिना सुरक्षा उपकरणों के मजदूरों को टैंक में उतारना गंभीर लापरवाही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जैसे ही हादसे की खबर फैली, मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने नाहटा अस्पताल की मोर्चरी के बाहर सड़क जाम कर कहा कि दोषी फैक्टरी प्रबंधन के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज हो, मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा दिये जाने की मांग की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल और फैक्टरी क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

राशन की दुकानों में करोड़ों के गेहूं के गबन का आरोप

कई लोगों को कई वर्षों में गेहूं का वितरण नहीं किया गया और एंट्री बता दी गई

जोधपुर, (कासं)। गरीबों को मिलने वाले राशन के गेहूं पर करोड़ों के गबन का मामला सामने आया है। विभागीय जांच के बाद प्रवर्तन निरीक्षक की तरफ से लूणी तहसील के तीन क्षेत्रों में आई राशन की दुकान चलाने वालों पर केस दर्ज कराया गया है। गबन साल 2020 से लेकर अब तक बताया गया है। पोश मशीनों से यह छेड़छाड़ के बाद मामला उजागर हुआ है। फिलहाल लूणी पुलिस ने तीन अलग-अलग मामला दर्ज कर जांच आरंभ की है।

जिला रसद के प्रवर्तन अधिकारी राधेश्याम वैष्णव की तरफ से तीन राशन दुकानदार विक्रेताओं के खिलाफ यह रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि खेजड़ली कलां गांव में आई एक राशन की दुकान पर 1 जनवरी 20 से लेकर 21 जून 24, सरेचा गांव में 1 जनवरी 20 से लेकर 11 मई 21 तक एवं सजाडा की एक राशन दुकान पर 1 जनवरी 2020 से लेकर 13 मार्च 2026 तक गड़बड़ियां मिली।

राशन विक्रेताओं को दी गई पोश मशीनों में यह गड़बड़ी सामने आई है। कई लोगों को इन उक्त सालों में गेहूं का वितरण नहीं किया गया और एंट्री बता दी गई है।

विभागीय जांच के उपरांत गड़बड़ियां करने वाले तीन राशन दुकान चलाने वाले विक्रेताओं के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। लूणी पुलिस ने तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

- **प्रवर्तन निरीक्षक की तरफ से लूणी तहसील के तीन क्षेत्रों में आई राशन की दुकान चलाने वालों पर केस दर्ज कराया**
- **पोश मशीनों से छेड़छाड़ के बाद मामला उजागर हुआ, लूणी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ की**

दुष्कर्म का आरोपी 15 महीने बाद गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे 20 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 15 महीने से फरार था।

एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि दिसंबर 2024 को परिवादी ने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ हुए दुष्कर्म के संबंध में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। दर्ज मामले के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने आरोपी पर 20 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। लगातार तलाश के बाद पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी में एएसआई कालूराम, कांस्टेबल कृष्ण कुमार और सतनाम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

- **पुलिस ने आरोपी को प्रेमनगर से पकड़ा**

टेम्पो खाई में गिरा, चाचा-भतीजे सहित तीन जनों की मौत

बिजली की खराब डीपी ले जा रहे ग्रामीणों का वाहन खाई में गिरने से हादसा हुआ

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा थाना क्षेत्र में बिजली की खराब डीपी ले जा रहे ग्रामीणों का वाहन खाई में गिरने के मामले में शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान एक और घायल की मौत हो गई। मृतक मोहब्बत सिंह (65) का इलाज एमबी हॉस्पिटल चल रहा था। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। शुक्रवार शाम हुए इस हादसे में भोपाल सिंह (55) पुत्र पन सिंह और राम सिंह (45) पुत्र भेरू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक मोहब्बत और रामसिंह सगे चाचा-भतीजे थे। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव को एमबी हॉस्पिटल मॉर्च्यूरी में रखवाया। जबकि बाकी दो शव गोगुंदा हॉस्पिटल मोर्चरी में रखे हैं।

इस मामले में बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए शनिवार को करणी सेना ने उपखंड कार्यालय गोगुंदा के बाहर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। श्री राष्ट्रीय राजूपत करणी सेना जिलाध्यक्ष अर्जुनसिंह चुंडावत ने बताया कि मृतक के परिवार में से एक को संविदा पर नौकरी और 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए, लापरवाही पर कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए और जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक शवों का पोस्टमॉर्टम नहीं कराया जाएगा।

- **हादसे के बाद बिजली विभाग ने फॉल्ट रिमूवल टीम के ठेका कर्मचारी को हटा दिया**

जानकारी के अनुसार हादसा गोगुंदा-सायरा मार्ग पर शुक्रवार शाम करीब चार बजे श्रीमालियों की मादडी के पास हुआ था। गुडा गांव के एक मोहल्ले में बिजली नहीं आ रही थी। इस पर फॉल्ट रिमूवल टीम (एफआरटी) के कर्मचारी महावीर सिंह ने डीपी को खुलवा दिया। ग्रामीणों से कहा कि इसे गोगुंदा लेकर जाओ और बदलवाकर ले आओ। ग्रामीण डीपी लेकर रवाना हुए और गोगुंदा जाते समय लोडिंग टेंपो खाई में गिर गया। हादसे में भोपाल सिंह (55) पुत्र पन सिंह और राम सिंह (45) पुत्र भेरू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बिजली विभाग ने फॉल्ट रिमूवल टीम के ठेका कर्मचारी को हटा दिया। हादसे में घायल अभय सिंह और लक्ष्मण सिंह का इलाज जारी है।

गीता धाम संस्थान में गबन का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट तिंवरी में आए गीताधाम संस्थान में राशि का गबन किया गया। प्रशासक की तरफ से एक कार्मिक को नामजद कर मथानिया थाने में इसकी रिपोर्ट दी गई है।

- **कार्मिक पर 7.12 लाख की धोखाधड़ी का आरोप लगा**

मथानिया पुलिस ने बताया कि बैगूसराय बिहार हाल गीताधाम, घेवड़ा बड़ा कोटेचा तिंवरी के प्रशासक निरंजन कुमार रंजन की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि गीताधाम में काम करने वाले प्रवीण नाम के शख्स ने यहां पर कार्य करते समय 7 लाख 12 हजार 650 रूपए का गबन किया। वह यहां पर 31 अक्टूबर 2023 से लेकर 31 मई 2025 तक कार्यरत था। लेखा ऑडिट में गबन का पता लगने पर अब केस दर्ज कराया गया है। मथानिया पुलिस मामले में अग्रिम जांच कर रही है।

मधुमक्खियों के हमले में आधा दर्जन घायल, एक बच्चे की हालत गंभीर

गेहूं की कटाई के दौरान हुआ हादसा, घायलों का मसूदा उप जिला चिकित्सालय में उपचार जारी

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम भवानी खेड़ा में शनिवार को खेत पर गेहूं की कटाई के दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इस हमले में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिनमें एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को मसूदा उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ द्वारा उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार खेत में कुछ लोग गेहूं की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड आ गया और वहां काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से खेत में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। पूर्व पंचायत समिति सदस्य प्रवीण सिंह ने बताया कि सभी लोग खेतों में गेहूं की कटाई कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। घबराए लोगों का मधुमक्खियों ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा किया, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की सहायता से मसूदा उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों की अस्पताल में भीड़ लग गई।

- **घबराए लोगों का मधुमक्खियों ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा किया, जिससे कई लोग घायल हो गए**

डोडा-पोस्त के साथ दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस टीम ने एक हिस्ट्रीशीटर और उसके साथी से करीब 3 लाख रुपए की कीमत का 21 किलो डोडा-पोस्त बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीएसटी प्रभारी ने बताया कि जिले के लांबाहरिसिंह थाना क्षेत्र के सिन्दोलिया में अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की सप्लाई की मिली शिकायत के बाद टीम ने मौके पर मिले आरोपियों के कब्जे से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, डोडा-पोस्त को पीसने के काम में आने वाली मिक्सर ग्राइंडर, खरीद फरोख्त के 2 हजार रुपए और 2 मोबाइल जब्त किए हैं, डोडा-पोस्त लाने के नेटवर्क की गहनता से जांच जारी है। कार्यवाही में हिस्ट्रीशीटर शंकर कुम्हार एवं भंवरलाल जाट को गिरफ्तार किया।

उदयपुर में मामूली विवाद में युवक की हत्या

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के परसाद थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम वन विभाग की नर्सरी के पास हुई चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस को प्राथमिक जांच मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। घायल युवक को पहले परसाद हॉस्पिटल भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 20 वर्षीय प्रदीप (पिंटू) पुत्र कालूलाल मीणा निवासी नेरा फला के रूप में हुई है। मृतक का शव शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया

जानकारी के अनुसार मृतक प्रदीप दशामाता पूजन के लिए घर का सामान लेने परसाद गया हुआ था। इसी दौरान शाम करीब सात बजे वन विभाग की नर्सरी के पास कुछ युवकों के साथ उसकी मामूली कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के युवकों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। शरीर पर करीब तीन से चार वार किए, जिससे प्रदीप खून से लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। इतने में हमलावर उसे घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों की मदद से पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत परसाद हॉस्पिटल पहुंचाया गया।,जहां हालत गंभीर होने पर उसे एमबी हॉस्पिटल रेफर किया, यहां देर रात उसने दम तोड़ दिया।

परसाद थानाधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि रोड पर आपसी कहासुनी होने पर चार से पांच युवकों ने चाकूबाजी कर हत्या कर दी। इनमें किस बात को लेकर झगड़ा हुआ था, इसका पता आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच होने के बाद पता लगेगा। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है। मृतक अहमदाबाद में मजदूरी का काम करता था। हाल ही होली पर्व पर घर आया हुआ था।